

## وَالْمُحْصَنَاتُ مِنَ النِّسَاءِ إِلَّا مَا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ ۝

और हराम की गँई औरतों में से शौहर वाली औरतें मगर तुम्हारी बान्धियां। ये तुम पर

كُتِبَ اللَّهُ عَلَيْكُمْ ۝ وَأُحِلَّ لَكُمْ مَّا وَرَاءَ ذَٰلِكُمْ

अल्लाह की तरफ से लिखा हुआ है। और तुम्हारे लिये उस के अलावा (औरतें) उलाल हैं

أَنْ تَبْتَغُوا بِأَمْوَالِكُمْ مُحْصِنِينَ غَيْرَ مُسْفِحِينَ ۝

ईस तरह के तलब करो अपने माल के जरिये ईस डाल में के तुम निकाल करने वाले हो, जिना करने वाले न हो।

فَمَا اسْتَمْتَعْتُمْ بِهِ مِنْهُنَّ فَآتُوهُنَّ أُجُورَهُنَّ

झिर उन में से जिन से तुम ने (सोडभत से) झारुहा उठाया तो उन को उन का महर दे दो जो

فَرِيضَةً ۝ وَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِيمَا تَرَضَيْتُمْ بِهِ

मुकरर किया था। और तुम पर कोई गुनाह नहीं है उस में जिस पर आपस में तुम राजी हो जाओ

مِنْ بَعْدِ الْفَرِيضَةِ ۝ إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلِيمًا حَكِيمًا ۝

मुकरर कर लेने के बाद। यकीनन अल्लाह ईल्म वाले, छिकमत वाले हैं।

وَمَنْ لَّمْ يَسْتَطِعْ مِنْكُمْ طَوْلًا أَنْ يَنْكِحَ الْمُحْصَنَاتِ

और तुम में से जो ताकत न रहे ईस की के वो पाकदामन ईमान वाली औरतों से

الْمُؤْمِنَاتِ فَمِنْ مَّا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ ۝ وَفِيكُمْ

निकाल करे, तो झिर तुम्हारी लौन्डियां (सडी), तुम्हारी मोमिन बान्धियों

الْمُؤْمِنَاتِ ۝ وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِإِيمَانِكُمْ ۝ بَعْضُكُمْ

में से। और अल्लाह भूष जानता है तुम्हारे ईमान को। तुम में से अक दुसरे

مِنْ بَعْضٍ ۝ فَانكِحُوهُنَّ بِإِذْنِ أَهْلِهِنَّ وَآتُوهُنَّ

से हो। तो उन से निकाल करो उन के मालिकों की ईजाजत से और उन को उन का महर दो

أُجُورَهُنَّ بِالْمَعْرُوفِ ۝ مُحْصَنَاتٍ غَيْرَ مُسْفِحَاتٍ

उई के मुताबिक, ईस डाल में के वो पाकदामनी ईफ्तियार करने वाली हों और जिना करने वाली न हों

وَلَا تَتَّخِذْنَ أَخْدَانٍ ۝ فَإِذَا أَحْصَنْ فَإِنَّ أَتَيْنَ

और युपके युपके दोस्त बनाने वाली न हों। झिर जब वो बान्धियां शादीशुदा होने के बाद झिर अगर वो

بِفَاحِشَةٍ فَعَلَيْهِنَّ ۝ نِصْفُ مَّا عَلَى الْمُحْصَنَاتِ ۝

जिना का ईर्तिकाब करे तो उन बान्धियों पर उस सजा का आधा डिस्सा है जो आजाह पाकदामन औरतों

الْعَذَابِ ۖ ذَلِكَ لِمَنْ خَشِيَ الْعَذَابَ مِنْكُمْ ۖ

पर है। ये उस के लिये है जो तुम में से जिना की मशकत में पडने से डरता हो। और ये के

وَأَنْ تَصْبِرُوا خَيْرٌ لَكُمْ ۗ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿١٥﴾ يُرِيدُ

सभ्र करो ये तुम्हारे लिये बेहतर है। और अल्लाह बप्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं। अल्लाह

اللَّهُ لِيُبَيِّنَ لَكُمْ وَيَهْدِيَكُمْ سُنَنَ الَّذِينَ

याहते हैं के तुम्हारे लिये साफ़ साफ़ भयान करें और तुम्हें हिदायत दें उन लोगों के रास्ते की

مِنْ قَبْلِكُمْ وَيَتُوبَ عَلَيْكُمْ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ﴿١٦﴾ وَاللَّهُ

जो तुम से पहिले थे और तुम्हारी तौबा कबूल करे और अल्लाह धर्म वाले, हिकमत वाले हैं और अल्लाह

يُرِيدُ أَنْ يَتُوبَ عَلَيْكُمْ ۖ وَيُرِيدُ الَّذِينَ يَتَّبِعُونَ

याहते हैं के तुम्हारी तौबा कबूल करे। और वो लोग जो ज्वाहिशत का धत्तिबा

الشَّهَوَاتِ أَنْ تَسِيلُوا مَيِّلًا عَظِيمًا ﴿١٧﴾ يُرِيدُ اللَّهُ

करते हैं वो ये याहते हैं के तुम भडोत जयादा माधल हो जाओ। अल्लाह ये याहते हैं

أَنْ يُخَفِّفَ عَنْكُمْ ۗ وَخُلِقَ الْإِنْسَانُ ضَعِيفًا ﴿١٨﴾

के तुम से तप्हीफ़ करे। और ध-सान कमजोर पैदा किया गया है।

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَأْكُلُوا أَمْوَالَكُمْ بَيْنَكُمْ

ओ धमान वालो! अपने माल आपस में भातिल तरीके से

بِالْبَاطِلِ إِلَّا أَنْ تَكُونَ تِجَارَةً عَنْ تَرَاضٍ مِنْكُمْ ۖ

मत जाओ, मगर ये के वो तुम्हारी आपस की रजामन्दी से तिजरत हो।

وَلَا تَقْتُلُوا أَنْفُسَكُمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ كَانَ بِكُمْ رَحِيمًا ﴿١٩﴾

और अपने आप को कत्ल मत करो। यकीनन अल्लाह तुम पर मेहरबान है।

وَمَنْ يَفْعَلْ ذَلِكَ عُدْوَانًا وَظُلْمًا فَسَوْفَ نُصَلِّيهِ

और जो उस को करेगा जयादती और जुल्म से तो हम उसे आग में द्वाभिल

نَارًا ۗ وَكَانَ ذَلِكَ عَلَى اللَّهِ يَسِيرًا ﴿٢٠﴾ إِنْ تَجْتَنِبُوا

करेंगे। और ये अल्लाह पर आसान है। अगर तुम भयोगे उन भडे गुनाहों

كِبَائِرَ مَا تَنْهَوْنَ عَنْهُ نَكْفَرْ عَنْكُمْ سَيِّئَاتِكُمْ وَنُدْخِلْكُمْ

से जिन से तुम्हें मना किया जा रहा है तो हम तुम से तुम्हारी भुराधयां दूर कर देंगे और तुम्हें

مُدْخَلًا كَرِيمًا ﴿۳۱﴾ وَلَا تَتَمَنَّوْا مَا فَضَّلَ اللَّهُ بِهِ

ईजाजत की जगा में दाखिल करोगे. और उस की तमन्ना मत करो जिस के जरिये तुम में से अेक को

بَعْضَكُمْ عَلَى بَعْضٍ ط لِلرِّجَالِ نَصِيبٌ مِّمَّا اكْتَسَبُوا ط

दुसरे पर अदलाड ने इजीलत दी है. मर्दों के लिये डिस्सा है उस माल में से जो वो कमाअें.

وَاللِّسَاءِ نَصِيبٌ مِّمَّا اكْتَسَبْنَ ط وَسَأَلُوا اللَّهَ

और औरतों के लिये डिस्सा है उस माल में से जो वो कमाअें. और अदलाड से उस के

مِنْ فَضْلِهِ ط إِنَّ اللَّهَ كَانَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمًا ﴿۳۲﴾

इजल का सवाल करो. यकीनन अदलाड हर चीज को ખुब जानने वाले हैं. और हर

وَلِكُلِّ جَعَلْنَا مَوَالِي مِمَّا تَرَكَ الْوَالِدِينَ وَالْأَقْرَبُونَ ط

अेक के लिये डम ने वारिस मुकरर कर दिये हैं उस माल के जो वालिदैन और रिश्तेदारों ने छोडा.

وَالَّذِينَ عَقَدْتَ أَيْمَانُكُمْ فَأَتَوْهُمْ نَصِيبَهُمْ ط

और उन्हों ने छोडा जिन से तुम ने अकद (अडद) किया है, तो तुम उन को उन का डिस्सा दो.

إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدًا ﴿۳۳﴾ الرِّجَالُ

यकीनन अदलाड हर चीज को देख रहे हैं. मर्द निगरां

قَوْمُونَ عَلَى النِّسَاءِ بِمَا فَضَّلَ اللَّهُ بَعْضَهُمْ

हैं औरतों पर इस वजह से के अदलाड ने उन में से भाज को भाज पर इजीलत दी है

عَلَى بَعْضٍ وَبِمَا أَنْفَقُوا مِنْ أَمْوَالِهِمْ ط فَالْصَّالِحَاتُ

और इस वजह से के वो अपने माल में से भर्य करते हैं. तो नेक औरतें वो हैं जो ખुशूअ करने वाली

فَإِنَّتِ حَفِظَتْ لِّلْغَيْبِ بِمَا حَفِظَ اللَّهُ ط وَالَّتِي

हों और गयबत में डिइजाजत करने वाली हों उस में जिस पर अदलाड ने मुडाइज बनाया है.

تَخَافُونَ نُشُورَهُنَّ فَعِظُوهُنَّ وَاهْجُرُوهُنَّ

और जिन औरतों की नाइरमानी का तुमहें अन्देशा हो, तो उन को नसीडत करो और उन को अलग छोड दो बिस्तरों में

فِي الْمَضَاجِعِ وَاصْرَبُوهُنَّ فَإِنْ أَطَعْنَكُمْ فَلَا تَبْغُوا

और तुम उन को मारो (अथूब अलेडिस्सलाम की तरड). इर अगर वो तुमडारा केडना मान लें तो तुम उन के

عَلَيْهِنَّ سَبِيلًا ط إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلِيمًا كَبِيرًا ﴿۳۴﴾

भिदाइ डुजजत तलाश मत किया करो. यकीनन अदलाड भरतर है, भडा है.

وَأِنْ خِفْتُمْ شِقَاقَ بَيْنِهِمَا فَابْعَثُوا حَكَمًا

और अगर तुम्हें अन्देशा हो आपस में उन दोनों के जघडे का तो अेक उकम भेजो शौहर के कुम्भे की

مِّنْ أَهْلِهِ وَحَكَمًا مِّنْ أَهْلِهَا ۚ إِنْ يَّرِيدَا إِصْلَاحًا

तरफ से और अेक उकम भेजो भीवी के कुम्भे की तरफ से. अगर वो दोनों उकम सुलु कराने का ँरादा

يُؤَفِّقُ اللَّهُ بَيْنَهُمَا ۗ إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلِيمًا خَبِيرًا ﴿۲۵﴾

करेंगे तो अल्लाह उन के दरमियान मुवाफकत ढाल देंगे. यकीनन अल्लाह ँल्म वाले, भाभबर हैं.

وَأَعْبُدُوا اللَّهَ وَلَا تُشْرِكُوا بِهِ شَيْئًا ۚ وَبِالْوَالِدَيْنِ

और अल्लाह की ँबादत करो और उस के साथ किसी चीज को शरीक मत ठेहराओ और वालिदैन

إِحْسَانًا ۚ وَبِذِي الْقُرْبَىٰ وَالْيَتَامَىٰ وَالْمَسْكِينِ

के साथ हुस्ने सुलुक करो और रिशतेदारों और यतीमों और भिस्कीनों के साथ

وَالْجَارِ ذِي الْقُرْبَىٰ وَالْجَارِ الْجُنُبِ وَالصَّاحِبِ

और रिशतेदार पडोसी और अजनभी पडोसी के साथ और पेडलू वाले साथी

بِالْجُنُبِ وَابْنِ السَّبِيلِ ۚ وَمَا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ ۗ

के साथ और रास्ता यलते मुसाफिर के साथ और अपने गुलाम भान्हियों के साथ.

إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ مَن كَانَ مُخْتَلًا فَخُورًا ﴿۲۶﴾

यकीनन अल्लाह उस शप्स से मलुब्बत नडी करते जो अकडने वाला, झुप्र करने वाला है.

الَّذِينَ يَبْخُلُونَ وَ يَأْمُرُونَ النَّاسَ بِالْبُخْلِ

वो लोग जो भुप्ल करते हैं और ँन्सानों को भुप्ल का हुकम देते हैं और छुपाते

وَيَكْتُمُونَ مَا آتَاهُمُ اللَّهُ مِنْ فَضْلِهِ ۗ وَأَعْتَدْنَا

हैं उस को जो अल्लाह ने अपने झल से उन को दिया है. और लम ने काफ़िरो के लिये

لِلْكَافِرِينَ عَذَابًا مُّهِينًا ﴿۲۷﴾ وَالَّذِينَ يُنْفِقُونَ

रुस्वा करने वाला अजाभ तैयार कर रभा है. और जो अपने माल

أَمْوَالَهُمْ رِئَاءَ النَّاسِ وَلَا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ

भर्य करते हैं लोगों के दिभावे के लिये और अल्लाह पर ँमान नडी रभते

وَلَا بِالْيَوْمِ الْآخِرِ ۗ وَمَنْ يَكُنِ الشَّيْطَانُ لَهُ قَرِينًا

और आभिरी दिन पर ँमान नडी रभते. और शयतान जिस का साथी बन गया



فَسَاءَ قَرِينًا ۝ وَمَا ذَا عَلَيْهِمْ لَوْ آمَنُوا بِاللَّهِ

तो वो बुरा साथी है. और उन पर क्या बोझ होता अगर वो अल्लाह पर ईमान लाते और

وَالْيَوْمِ الْآخِرِ وَأَنْفَقُوا مِمَّا رَزَقَهُمُ اللَّهُ ۖ وَكَانَ

आखिरी दिन पर ईमान लाते और खर्च करते उस माल में से जो अल्लाह ने उन को रोजी के तौर पर दिया.

اللَّهُ بِهِمْ عَلِيمًا ۝ إِنَّ اللَّهَ لَا يَظْلِمُ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ

और अल्लाह उन को भूख जानने वाले हैं. यकीनन अल्लाह जरा भर जुल्म नहीं करते.

وَإِنْ تَكُ حَسَنَةً يُضْعِفَهَا وَيُؤْتِ مِنْ لَدُنْهُ

और अगर कोई अक नेकी होगी तो अल्लाह उसे कई गुना करेगा और अपनी तरफ से भारी अजर

أَجْرًا عَظِيمًا ۝ فَكَيْفَ إِذَا جِئْنَا مِنْ كُلِّ أُمَّةٍ بِشَهِيدٍ

देंगे. फिर क्या डाल डोगा जब के हम हर उम्मत में से अक गवाह लायेंगे

وَجِئْنَا بِكَ عَلَى هَؤُلَاءِ شَهِيدًا ۝ يَوْمَ يَوَدُّ الَّذِينَ

और हम आप को उन के खिलाफ गवाह बना कर लायेंगे. उस दिन तमन्ना करेंगे वो लोग

كَفَرُوا وَعَصُوا الرَّسُولَ لَوْ تُسَوَّى بِهِمُ الْأَرْضُ ۖ

जो काफिर हैं और जिन्हों ने रसूल की नाफरमानी की के काश के उन पर जमीन बराबर कर दी जाती.

وَلَا يَكْتُمُونَ اللَّهَ حَدِيثًا ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

और अल्लाह से वो किसी बात को छुपा नहीं सकेंगे. अ ईमान वाले!

لَا تَقْرَبُوا الصَّلَاةَ وَأَنْتُمْ سُكَرَىٰ حَتَّىٰ تَعْلَمُوا

नमाज के करीब मत जाओ इस डाल में के तुम नशे में हो यहां तक के तुम समजने लगो उस को

مَا تَقُولُونَ وَلَا جُنُبًا إِلَّا عَابِرِي سَبِيلٍ

जो बोल रहे हो और न जनाबत की डालत में (नमाज के करीब जाओ), मगर रास्ता उभूर करते

حَتَّىٰ تَغْتَسِلُوا ۖ وَإِنْ كُنْتُمْ مَرْضَىٰ أَوْ عَلَىٰ سَفَرٍ أَوْ جَاءَ

डुवे, जब तक के गुस्ल न कर लो. और अगर भीमार हो या सफर पर हो या तुम में से

أَحَدٌ مِّنْكُمْ مِّنَ الْغَائِبِ أَوْ لِمَسْتُمِ النِّسَاءِ

कोई कजाअे डजत से आया हो या तुम ने औरतों से मुकारबत की हो,

فَلَمْ تَجِدُوا مَاءً فَتَيَمَّمُوا صَعِيدًا طَيِّبًا فَامْسَحُوا

फिर पानी न पाओ तो पाक मिट्टी पर तयम्मूम कर लो, फिर अपने येडरों और

بُجُوهِكُمْ وَأَيْدِيكُمْ ۖ إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَفُورًا ۝۳۱

हाथों पर डेर लो. यकीनन अल्लाह बडोत जयादा माफ़ करने वाला, बडोत जयादा बफ़शने वाला है.

أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ أُوتُوا نَصِيبًا مِّنَ الْكِتَابِ

क्या आप ने देखा नहीं उन लोगों की तरफ़ जिन को किताब का अेक हिस्सा दिया गया

يَشْتَرُونَ الضَّلَاةَ وَيُرِيدُونَ أَن تَضِلُّوا السَّبِيلَ ۝۳۲

जो गुमराही को बरीदते हैं और ये चाडते हैं के तुम रास्ते से बटक जाओ.

وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِأَعْدَائِكُمْ ۖ وَكَفَى بِاللَّهِ وَلِيًّا ۖ وَكَفَى

और अल्लाह तुम्हारे दुशमनों को भुब जानते हैं. और अल्लाह काफ़ी कारसाज हैं, और अल्लाह

بِاللَّهِ نَصِيرًا ۝۳۳

काफ़ी मददगार हैं. उन लोगों में से जो यडूही हैं वो कलिमात को अपने मआनी

عَن مَّوَاضِعِهِ وَ يَقُولُونَ سَمِعْنَا وَ عَصَيْنَا

से डेरते हैं और केडते हैं. سَمِعْنَا وَ عَصَيْنَا

وَاسْمِعْ غَيْرَ مُسْمِعٍ وَ رَاعِنَا لِيَّا بِالسِّنْتِهِمْ وَ طَعْنَا

केडते हैं और और (राइन) और हीन में

فِي الدِّينِ ۖ وَلَوْ أَنَّهُمْ قَالُوا سَمِعْنَا وَأَطَعْنَا

और और سَمِعْنَا وَأَطَعْنَا के केडते के तानाजनी करते डुवे. और अगर वो केडते के

وَاسْمِعْ وَانظُرْنَا لَكَانَ خَيْرًا لَهُمْ وَأَقْوَمًا

तो ये उन के लिये जयादा बेडतर डोता और जयादा सीधा रभने वाला

وَلَكِن لَّعَنَهُمُ اللَّهُ بِكُفْرِهِمْ فَلَا يُؤْمِنُونَ إِلَّا قَلِيلًا ۝۳۴

डोता. लेकिन अल्लाह ने उन के कुफ़ की वजड से उन पर लानत डरमाई, डिर वो ईमान नहीं लाअेंगे

يَأْيُهَا الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ آمِنُوا بِمَا نَزَّلْنَا

मगर थोडे. अे अेडले किताब! ईमान ले आओ उस कुआन पर जिस को डम ने उतारा,

مُصَدِّقًا لِّمَا مَعَكُمْ مِّن قَبْلِ أَن نَّطْمِسَ

जो सख्या बतलाने वाला है उस तौरात को जो तुम्हारे साथ है ईस से पेडले के डम येडरों को

وَجُوهًا فَزَرُدَّهَا عَلَى أَدْبَارِهَا أَوْ نَلْعَنَهُمْ كَمَا

मिटा दें, के डम उन येडरों को उन के पीछे की तरफ़ कर दें या डम उन पर लानत करें जैसा

لَعَنَّا أَصْحَابَ السَّبْتِ ۖ وَكَانَ أَمْرُ اللَّهِ مَفْعُولًا ﴿۳۷﴾

के डम ने सनीयर वालों पर लानत की. और अल्लाह का हुकम पूरा हो कर रहा. यकीनन

إِنَّ اللَّهَ لَا يَغْفِرُ أَنْ يُشْرَكَ بِهِ وَ يَغْفِرُ مَا دُونَ

अल्लाह भगदिरत नहीं करेगे इस की के उस के साथ शरीक ठेहराया जाये और भगदिरत कर हेंगे उस के

ذَلِكَ لِإِنَّ يَشَاءُ ۚ وَمَنْ يُشْرِكْ بِاللَّهِ فَقَدْ افْتَرَىٰ

अलावा की जिस के लिये याहेंगे. और जो अल्लाह के साथ शरीक ठेहरायेगा तो यकीनन उस ने त्तारी गुनाह का

إِثْمًا عَظِيمًا ﴿۳۸﴾ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ يُزَكُّونَ أَنفُسَهُمْ ۖ

धर्तिकाभ किया. क्या आप ने देभा नहीं उन लोगों की तरफ जो अपने आप को मुत्कका (पाक व साफ़) भता रहे हैं?

بَلِ اللَّهُ يُرِيكُم مِّنْ يَشَاءُ وَلَا يُظْلَمُونَ فَتِيلًا ﴿۳۹﴾

भलके अल्लाह मुक्दस बनाते हैं जिसे याहते हैं और तागे के भराभर भी उन पर गुल्म नहीं किया जायेगा.

أَنْظُرْ كَيْفَ يَفْتَرُونَ عَلَى اللَّهِ الْكَذِبَ ۖ وَكَفَىٰ

आप देभिये के कैसे वो अल्लाह पर जूठ घसते हैं. और यही

بِهِ إِثْمًا مُّبِينًا ﴿۴۰﴾ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ أُوتُوا نَصِيبًا

सरीह गुनाह के लिये काफ़ी है. क्या आप ने देभा नहीं उन लोगों को जिन को कित्ताभ का

مِّنَ الْكُتُبِ يُؤْمِنُونَ بِالْجِبْتِ وَالطَّاغُوتِ

अेक छिस्सा दिया गया वो धिमान रभते हैं भुत पर और शयतान पर

وَيَقُولُونَ لِلَّذِينَ كَفَرُوا هَؤُلَاءِ أَهْدَىٰ

और केहते हैं काफ़िरो के मुतअल्लिक के ये धिमान वालों की

مِنَ الَّذِينَ آمَنُوا سَبِيلًا ﴿۴۱﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ لَعَنَهُمُ

भनिसभत जयादा सीधी राह पर हैं. ये वो लोग हैं जिन पर अल्लाह ने लानत इरमाध.

اللَّهُ ۖ وَمَنْ يَلْعَنِ اللَّهُ فَلَئِن تَجَدَّ لَهُ نَصِيرًا ﴿۴۲﴾

और जिस पर अल्लाह लानत इरमाये तो आप उस के लिये कोध मद्दगार डरगिठ नहीं पाओगे.

أَمْ لَهُمْ نَصِيبٌ مِّنَ الْمُلْكِ فَإِذَا لَا يُؤْتُونَ

क्या उन के पास सलतनत का कोध छिस्सा है? फिर तभ तो वो लोगों को भजूर की गुठली के सूराभ

النَّاسِ نَقِيرًا ﴿۴۳﴾ أَمْ يَحْسُدُونَ النَّاسَ عَلَىٰ

के भराभर भी नहीं हेंगे. क्या धन्हें लोगों से डसद है उस पर

مَا آتَاهُمُ اللَّهُ مِنْ فَضْلِهِ ۖ فَقَدْ آتَيْنَا آلَ

جو अल्लाह ने अपने इजल से उन को दिया है. यकीनन हम ने आले एब्राहीम

إِبْرَاهِيمَ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَآتَيْنَهُمْ مُلْكًا

को किताब और हिकमत दी और हम ने उन्हें मुल्के अजीम

عَظِيمًا ﴿٥٦﴾ فَمِنْهُمْ مَن أَمِنَ بِهِ وَ مِنْهُمْ مَن صَدَّ

दिया. फिर उन में से कुछ लोग उस पर एमान ले आये और उन में से कुछ उस से दूर

عَنْهُ ۖ وَكَفَىٰ بِجَهَنَّمَ سَعِيرًا ﴿٥٧﴾ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا

भागे. और जहन्नम जलाने के लिये काफ़ी है. यकीनन वो लोग जिन्होंने ने हमारी आयात के साथ

بِآيَاتِنَا سَوْفَ نُصَلِّيهِمْ نَارًا ۖ كُلًّا نَضَمَتْ جُلُودُهُمْ

कुड़ किया, अनकरीब हम उन्हें आग में दाखिल करेंगे. जब कभी उन की जालें जल जायेंगी,

بَدَلْنَاهُمْ جُلُودًا غَيْرَهَا لِيَذُوقُوا الْعَذَابَ ۗ

तो हम उस के अलावा और जाल से बदल देंगे ताके वो अजाब यप्तते रहें.

إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَزِيزًا حَكِيمًا ﴿٥٨﴾ وَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا

यकीनन अल्लाह जबरदस्त है, हिकमत वाला है. और वो लोग जो एमान लाये और नेक अमल

الصَّالِحَاتِ سَنُدْخِلُهُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا

करते रहे, अनकरीब हम उन्हें ऐसी जन्नतों में दाखिल करेंगे जिन के नीचे से

الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۖ لَهُمْ فِيهَا زَوْجٌ

नेहरेँ बेहतरी डोंगी, जिन में वो हमेशा रहेंगे. उन के लिये इन में पाक साफ़ बीवियां

مُطَهَّرَاتٌ ۖ وَنُدْخِلُهُمْ ظِلًّا ظَلِيلًا ﴿٥٩﴾ إِنَّ اللَّهَ

डोंगी. और हम उन्हें घने साये में दाखिल करेंगे. यकीनन अल्लाह

يَأْمُرُكُمْ أَنْ تَوَدُّوا الْأَمْنَةَ إِلَىٰ أَهْلِهَا ۗ

तुम्हें हुकम देते हैं इस का के अमानत वालों को अमानतें अदा कर दो.

وَإِذَا حَكَمْتُمْ بَيْنَ النَّاسِ أَنْ تَحْكُمُوا بِالْعَدْلِ ۗ

और जब तुम लोगों के दरमियान इसला करो तो ए-साफ़ के साथ इसला करो.

إِنَّ اللَّهَ نِعِمَّا يَعِظُكُمْ بِهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ كَانَ سَمِيعًا

यकीनन अल्लाह तुम्हें कितनी अच्छी चीज की नसीहत करते हैं. यकीनन अल्लाह सुन्ने वाले,

بَصِيرًا ﴿٥٨﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا أَطِيعُوا اللَّهَ

देखने वाले हैं. ओ ईमान वाले! अल्लाह की ईताअत करो

وَأَطِيعُوا الرَّسُولَ وَأُولِي الْأَمْرِ مِنْكُمْ

और रसूल की ईताअत करो और तुम में से उलूल अम्र की ईताअत करो.

فَإِنْ تَنَازَعْتُمْ فِي شَيْءٍ فَرُدُّوهُ إِلَى اللَّهِ وَالرَّسُولِ

झिअर अगर तुम किसी चीज में आपस में जघडो तो उस को पेश करो अल्लाह और रसूल की तरफ़

إِنْ كُنْتُمْ تُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ ذَلِكَ

अगर ईमान रभते हो अल्लाह पर और आभिरी दिन पर. ये

خَيْرٌ وَأَحْسَنُ تَأْوِيلًا ﴿٥٩﴾ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ

भेडतर है और अरछे अ-जाम वाला है. क्या आप ने देखा नही उन लोगो को जो दावा करते

يَزْعُمُونَ أَنَّهُمْ آمَنُوا بِمَا أُنزِلَ إِلَيْكَ وَمَا أُنزِلَ

है के वो ईमान रभते है उस कुआन पर जो आप की तरफ़ उतारा गया और उन किताबो पर जो आप

مِنْ قَبْلِكَ يُرِيدُونَ أَنْ يَتَّحَكَمُوا إِلَى الطَّاغُوتِ

से पेडले उतारी गई, वो ये याडते है के वो कैसला ले जाअें शयतान के पास

وَقَدْ أُمِرُوا أَنْ يَكْفُرُوا بِهِ وَيُرِيدُ الشَّيْطَانُ

डालांके उन्हे डुकम दिया गया है के वो उस के साथ कुफ़ करे. और शयतान तो ये याडता है

أَنْ يُضِلَّهُمْ ضَلَالًا بَعِيدًا ﴿٦٠﴾ وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا

के वो उन्हे दूर की गुमराडी में गुमराड कर दे. और जब उन से कडा जाता है के आओ

إِلَىٰ مَا أُنزِلَ اللَّهُ وَإِلَى الرَّسُولِ رَأَيْتِ الْمُنَافِقِينَ

उस की तरफ़ जो अल्लाह ने उतारा और रसूल की तरफ़ आओ, तो आप मुनाफ़िकीन को देभोगे

يَصُدُّونَ عَنْكَ صُدُودًا ﴿٦١﴾ فَكَيْفَ إِذَا أَصَابَتْهُمُ

के वो आप से औराज करते है. झिअर क्या डाल डोगा जब उन को मुसीबत

مُصِيبَةً بِمَا قَدَمْتُمْ أَيَدِيَهُمْ شَمًّا جَاءُوكَ

पडोयेगी उन आमाल की वजड से जो उन के डार्थो ने आगे भेजे, झिअर वो आप के पास आते है

يَحْلِفُونَ بِاللَّهِ إِنْ أَرَدْنَا إِلَّا إِحْسَانًا

अल्लाह की कस्में भाते डुवे के डम ने तो ईरादा नही किया मगर नेकी का और

وَتَوَفِّيكَ ۝ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ يَعْلَمُ اللَّهُ مَا

आपस में मुवाफ़कत का. यही लोग हैं के अद्लाह भुभ जानते हैं उसे जो उन के दिलो में है.

فِي قُلُوبِهِمْ ۖ فَأَعْرَضَ عَنْهُمْ وَعِظُهُمْ وَقُلْ لَهُمْ

ईस लिये आप उन की तरफ़ से औराज कीजिये और उन्हें नसीहत कीजिये और उन के सामने

فِي أَنْفُسِهِمْ قَوْلًا بَلِيغًا ۝ وَمَا أَرْسَلْنَا مِنْ رَّسُولٍ

उन के बारे में कौले बलीग (दिल में उतरने वाली बात) कइये. और हम ने कोई रसूल नहीं भेजे मगर ईस लिये

إِلَّا لِيُطَاعَ بِإِذْنِ اللَّهِ ۗ وَلَوْ أَنَّهُمْ إِذْ ظَلَمُوا أَنْفُسَهُمْ

ताके उन की ईताअत की जाओ अद्लाह के हुकम से. और जब उन्होंने ने अपनी जानों पर जुल्म कर लिया था

جَاءُواكَ فَاسْتَعْفَرُوا اللَّهَ وَاسْتَعْفَرَ لَهُمُ الرَّسُولُ

तो अगर वो आप के पास आते, फिर अद्लाह से ईस्तिग़फ़ार करते और उन के लिये रसूल भी ईस्तिग़फ़ार करते

لَوْجَدُوا اللَّهَ تَوَّابًا رَحِيمًا ۝ فَلَا وَرَبِّكَ لَا يُؤْمِنُونَ

तो अलबत्ता वो अद्लाह को बडोत ज़्यादा तौबा कबूल करने वाला, निहायत रहम करने वाला पाते. फिर आप के

حَتَّىٰ يُحَكِّمُوكَ فِيمَا شَجَرَ بَيْنَهُمْ ثُمَّ لَا يَجِدُوا

रह की कसम! बिहकुल ये लोग मोमिन नहीं हो सकते जब तक के वो आप को हुकम न बनाओ उन के आपस

فِي أَنْفُسِهِمْ حَرَجًا مِّمَّا قَضَيْتَ وَيُسَلِّمُوا تَسْلِيمًا ۝

के जघड़ों में, फिर वो अपने दिलों में कोई तंगी भी न पाओ आप के क़ैसले से और दिल से मान लें.

وَلَوْ أَنَّا كَتَبْنَا عَلَيْهِمْ أَنْ اقْتُلُوا أَنْفُسَكُمْ أَوِ اخْرُجُوا

और अगर हम उन पर ये क़र्ज़ कर देते के अपने आप को उलाक कर दो या अपने

مِنْ دِيَارِكُمْ مَا فَعَلُوا إِلَّا قَلِيلٌ مِنْهُمْ ۗ وَلَوْ أَنَّهُمْ

घरों से निकल जाओ तो उस को न करते मगर उन में से थोड़े लोग. और अगर वो करेंगे

فَعَلُوا مَا يُوعَظُونَ بِهِ لَكَانَ خَيْرًا لَهُمْ وَأَشَدَّ

वो जिस की उन्हें नसीहत की जा रही है तो उन के लिये बेउतर होगा और ज़्यादा साबित कदम

تَثْبِيثًا ۝ وَإِذَا لَا تَتَيْنُهُمْ مِنْ لَدُنَّا أَجْرًا عَظِيمًا ۝

रखने वाला होगा. और तब तो हम उन्हें अपनी तरफ़ से अज़रे अज़ीम देंगे.

وَلَهَدَيْنَهُمْ صِرَاطًا مُسْتَقِيمًا ۝ وَمَنْ يُطِيعِ اللَّهَ

और हम उन्हें सिराते मुस्तकीम की रहनुमाई करेंगे. और जो अद्लाह और रसूल की

وَالرَّسُولَ فَأُولَئِكَ مَعَ الَّذِينَ أَنْعَمَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ

ईताअत करेगा तो ये लोग उन के साथ होंगे जिन पर अल्लाह ने ईन्आम इरमाया

مِنَ النَّبِيِّينَ وَالصِّدِّيقِينَ وَالشُّهَدَاءِ وَالصَّالِحِينَ ۚ

अम्बिया, और सिद्दीकीन, और शुहदा और सालिहीन में से.

وَحَسَنَ أُولَئِكَ رَفِيقًا ۗ ذَٰلِكَ الْفَضْلُ مِنَ اللَّهِ ۗ

और रिफ़ाकत के लिये ये लोग अच्छे हों. ये अल्लाह की तरफ़ से इज़ल है.

وَكَفَىٰ بِاللَّهِ عَلِيمًا ۗ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا خُذُوا

और अल्लाह काफ़ी जानने वाला है. ओ ईमान वालो! अपने बयाव

حِذْرَكُمْ فَانفِرُوا تَبَاتٍ أَوْ انفِرُوا جَمِيعًا ۗ

के डथयार ले लो, इर छोटी छोटी जमाअतें बन कर निकलो या तुम एकट्टे निकलो.

وَإِنَّ مِنْكُمْ لَمَنْ لَّيَبْطِئَنَّ ۚ فَإِنْ أَصَابَتْكُمْ مُصِيبَةٌ قَالِ

और यकीनन तुम में से कुछ लोग वो हों जो ढेर लगाते हों. इर अगर तुम्हें मुसीबत पड़ोये तो वो

قَدْ أَنْعَمَ اللَّهُ عَلَيَّ إِذْ لَمْ أَكُنْ مَعَهُمْ شَهِيدًا ۗ

केडते हों के अल्लाह ने मेरे उपर ईन्आम इरमाया के में उन के साथ मौजूद नहीं था.

وَلَئِنْ أَصَابَكُمْ فَضْلٌ مِّنَ اللَّهِ لَيَقُولَنَّ كَأَنْ

और अगर तुम्हें अल्लाह का इज़ल पड़ोये तो वो ज़र कहेगा, गोया

لَمْ تَكُنْ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَهُ مَوَدَّةٌ يَلَيْتَنِي كُنْتُ مَعَهُمْ

तुम्हारे और उस के दरमियान दोस्ती थी ही नहीं, (वो कहेगा के) काश के में उन के साथ होता,

فَأَفُوزَ فَوْزًا عَظِيمًا ۗ فَلْيُقَاتِلْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ

इर में भी भारी काम्याबी से काम्याब हो जाता. इर याडिये के अल्लाह के रास्ते में किताल करे

الَّذِينَ يَشْرُونَ الْحَيَاةَ الدُّنْيَا بِالْآخِرَةِ ۗ وَمَنْ

वो लोग जो आभिरत के मुकाबले में दुन्यवी जिन्दगी को बेय देते हों. और जो भी

يُقَاتِلْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ فَيُقْتَلْ أَوْ يَغْلِبْ فَسَوْفَ

अल्लाह के रास्ते में किताल करे, इर वो कतल हो जाये या गालिब आये तो हम

نُؤْتِيهِ أَجْرًا عَظِيمًا ۗ وَمَا لَكُمْ لَأْتَقَاتِلُونَ فِي

अनकरीब उसे भारी अजर होंगे. और तुम्हें क्या हुवा के तुम अल्लाह के रास्ते में किताल

سَبِيلِ اللَّهِ وَالسُّتُوعِ مِنَ الرِّجَالِ وَالنِّسَاءِ

नहीं करते डालाके मर्द और औरतें और बरये जिन्हें कमजोर कर के

وَالْوُلْدَانَ الَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَا أَخْرِجْنَا مِنْ هَذِهِ

रखा गया है जो केहते हैं के अे डमारे रब! डमें ँस बस्ती से निकाल जिस के बसने

الْقَرْيَةِ الظَّالِمِ أَهْلُهَا ۖ وَاجْعَلْ لَنَا مِنْ لَدُنْكَ

वाले जालिम हैं. और डमारे लिये अपनी तरफ़ से डिमायती मुतअय्यन

وَلِيًّا ۖ وَاجْعَلْ لَنَا مِنْ لَدُنْكَ نَصِيرًا ۝

इरमा. और डमारे लिये अपनी तरफ़ से नुस्तर करने वाला मुतअय्यन इरमा.

الَّذِينَ آمَنُوا يُقَاتُونَ فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَالَّذِينَ

वो लोग जो ँमान लाअे वो अद्लाड के रास्ते में किताल करते हैं. और जो

كَفَرُوا يُقَاتُونَ فِي سَبِيلِ الطَّاغُوتِ فَقَاتِلُوا

काफिर हैं वो शयतान के रास्ते में किताल करते हैं, तो तुम शयतान के

أَوْلِيَاءَ الشَّيْطَانِ ۚ إِنَّ كَيْدَ الشَّيْطَانِ كَانَ ضَعِيفًا ۝

डोस्तों से किताल करो. यकीनन शयतान का मक कमजोर है.

أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ قِيلَ لَهُمْ كُفُّوا أَيْدِيَكُمْ

क्या आप ने देखा नहीं उन लोगों को जिन से कडा गया था के तुम अपने डथ रोके रडो

وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَآتُوا الزَّكَاةَ ۖ فَلَمَّا كُتِبَ عَلَيْهِمُ

और नमाज काँम करो और जकत डो. फिर जब उन पर किताल इर्र

الْقِتَالِ إِذَا فَرِيقٌ مِّنْهُمْ يَخْشَوْنَ النَّاسَ كَخَشْيَةِ

किया गया तो अयानक उन में से अेक जमाअत ँन्सानों से डरने लगी अद्लाड से डरने की

اللَّهِ أَوْ أَشَدَّ خَشْيَةً ۖ وَقَالُوا رَبَّنَا لِمَ كَتَبْتَ

तरड या उस से ली जयाड. और वो केहते हैं के अे डमारे रब! तू ने डम पर किताल

عَلَيْنَا الْقِتَالَ ۖ لَوْلَا أَخَّرْتَنَا إِلَىٰ أَجَلٍ قَرِيبٍ قُلْ

कयूं इर्र किया? तू ने डमे करीबी मुदत तक (जने की) कयूं मोडलत नहीं डी? आप इरमा डीजिये के

مَتَاعَ الدُّنْيَا قَلِيلٌ ۖ وَالْآخِرَةُ خَيْرٌ لِّمَنِ اتَّقَىٰ ۝

डुन्या का इर्रड थोडा है. और आबिरत डेडतर है उस शअ्स के लिये जो मुतकी है.



وَلَا تَظْمَنُونَ فِتْيَانًا ۖ آيِنَ مَا تَكُونُوا يُدْرِكُكُمُ

और तुम पर अक तागे के बराबर भी जुल्म नही किया जायेगा. तुम जहां कही भी होंगे तो मौत तुम्हें

الْمَوْتُ وَلَوْ كُنْتُمْ فِي بُرُوجٍ مُّشِيدَةٍ ۗ وَإِنْ تُصِبْهُمْ

पकड लेगी अगरये तुम ठीये ठीये किलओं में हो. और अगर उन्हें कोई

حَسَنَةٌ يَقُولُوا هَذَا مِنْ عِنْدِ اللَّهِ ۗ وَإِنْ تُصِبْهُمْ

भलाई पड़ोयती है तो केहते हैं के ये अल्लाह की तरफ से है. और अगर उन्हें कोई मुसीबत

سَيِّئَةٌ يَقُولُوا هَذَا مِنْ عِنْدِكَ ۗ قُلْ كُلُّ مِّنْ

पड़ोयती है तो केहते हैं के ये आप की तरफ से है. आप इरमा हीजिये के सब कुछ

عِنْدِ اللَّهِ ۗ فَمَالِ هَؤُلَاءِ الْقَوْمِ لَا يَكَادُونَ يَفْقَهُونَ

अल्लाह की तरफ से है. फिर उस कौम को क्या हुवा के वो बात समजने के करीब भी नही

حَدِيثًا ۗ مَا أَصَابَكَ مِنْ حَسَنَةٍ فَمِنَ اللَّهِ ۗ

होते. (ओ मुभातभ!) तुजे जो भलाई पड़ोये वो अल्लाह की तरफ से है.

وَمَا أَصَابَكَ مِنْ سَيِّئَةٍ فَمِنَ نَفْسِكَ ۗ وَأَرْسَلْنَاكَ

और तुजे जो मुसीबत पड़ोये वो तेरी अपनी तरफ से है. और हम ने आप को तमाम ई-सानों के लिये

لِلنَّاسِ رَسُولًا ۗ وَكَفَىٰ بِاللَّهِ شَهِيدًا ۗ مَنْ يُطِيعِ

रसूल बना कर भेजा है. और अल्लाह काही गवाह है. जो रसूल की ईताअत करेगा तो यकीनन उस ने

الرَّسُولَ فَقَدْ أَطَاعَ اللَّهَ ۗ وَمَنْ تَوَلَّىٰ فَمَا أَرْسَلْنَاكَ

अल्लाह की ईताअत की. और जो मुंड मोडेगा तो फिर हम ने आप को उन पर निगरान बना कर नहीं भेजा.

عَلَيْهِمْ حَفِيظًا ۗ وَيَقُولُونَ طَاعَةٌ فَإِذَا بَرَزُوا

और ये केहते हैं के हमारा काम तो भुशी से बात को मानना है. लेकिन जब वो आप के पास से बाहर निकलते

مِنَ عِنْدِكَ بَيَّتَ طَآئِفَةٌ مِّنْهُمْ غَيْرَ الَّذِي تَقُولُ ۗ وَاللَّهُ

हैं तो उन में से अक जमाअत रात को चुपके चुपके भातें करती है उस के अलावा जो वो पेहले केह रही थी. और

يَكْتُبُ مَا يَبَيِّتُونَ ۗ فَأَعْرِضْ عَنْهُمْ وَتَوَكَّلْ

अल्लाह लिख रहे हैं उस को जो वो रात को चुपके चुपके भातें करते हैं. फिर आप उन से औराज कीजिये

عَلَى اللَّهِ ۗ وَكَفَىٰ بِاللَّهِ وَكِيلًا ۗ أَفَلَا يَتَذَكَّرُونَ

और अल्लाह पर तवक्कुल कीजिये. और अल्लाह काही कारसाज है. क्या फिर वो कुर्आन में तदब्बुर

الْقُرْآنَ ۖ وَلَوْ كَانَ مِنْ عِنْدِ غَيْرِ اللَّهِ لَوَجَدُوا فِيهِ

नहीं करते? और अगर ये (कुरआन) अल्लाह के अलावा की तरफ से होता तो वो जरूर उस में

اِخْتِلَافًا كَثِيرًا ﴿۸۳﴾ وَإِذَا جَاءَهُمْ أَمْرٌ مِنَ الْإِمْنِ

बहोत सा धिक्ताई पाते. और जब अमन या भौक की कोई बात आती है, तो वो उस को

أَوْ الْخَوْفِ أَذَاعُوا بِهِ ۖ وَلَوْ رَدُّوهُ إِلَى الرَّسُولِ

झेला देते हैं. और अगर वो उस को पेश करते रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) की तरफ

وَإِلَى أَوْلِي الْأَمْرِ مِنْهُمْ لَعَلَّهُ الَّذِينَ يَسْتَنْبِطُونَهُ

और सहाभा में से उलुल अम्र की तरफ तो जरूर उस को जानते वो लोग जो उन में से उस से धिक्ताई

مِنْهُمْ ۖ وَلَوْلَا فَضْلُ اللَّهِ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَتُهُ لَاتَّبَعْتُمُ

कर सकते हैं. और अगर तुम पर अल्लाह का फल और उस की मेहरबानी न होती तो तुम भी शयतान

الشَّيْطَانَ إِلَّا قَلِيلًا ﴿۸۴﴾ فَقَاتِلْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ

के पीछे पड जाते मगर थोडे. धिस लिये आप अल्लाह के रास्ते में किताल कीजिये. आप को मुकदलक

لَا تُكَلَّفُ إِلَّا نَفْسَكَ وَحَرِّضَ الْمُؤْمِنِينَ عَسَى اللَّهُ

नहीं बनाया जाता मगर आप की जात का और आप धिमान वालों को उल्लारिये. हो सकता है के

أَنْ يَكُفَّ بِأَسِ الدِّينِ كُفْرًا ۖ وَاللَّهُ أَشَدُّ بَاسًا وَأَشَدُّ

अल्लाह का झिरो के ओर को रोक दे. और अल्लाह जयादा सप्त लडाई वाला और जयादा सप्त धिक्तर

تَنْكِيلًا ﴿۸۵﴾ مَنْ يَشْفَعْ شَفَاعَةً حَسَنَةً يَكُنْ لَهُ

दिलाने वाला है. जो नेक काम में सिफारिश करे तो उस के लिये उस

نَصِيبٌ مِّنْهَا ۚ وَمَنْ يَشْفَعْ شَفَاعَةً سَيِّئَةً يَكُنْ

में से डिस्सा होगा. और जो बुरे काम की सिफारिश करे तो उस के लिये

لَهُ كِفْلٌ مِّنْهَا ۖ وَكَانَ اللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ مُّقِيبًا ﴿۸۶﴾

उस में से डिस्सा होगा. और अल्लाह हर चीज पर कुदरत वाला है. और जब

وَإِذَا حُيِّيتُمْ بِتَحِيَّةٍ فَحَيُّوا بِأَحْسَنَ مِنْهَا أَوْ رُدُّوهَا

तुम्हें सलाम किया जाये तो तुम उस से बेहतर सलाम के साथ जवाब दो या उसी को दोहरा दो.

إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ حَسِيبًا ﴿۸۷﴾ اللَّهُ لَا إِلَهَ

यकीनन अल्लाह हर चीज का डिसाब लेने वाला है. अल्लाह के सिवा कोई माबूद

إِلَّا هُوَ لِيَجْمَعَنَّكُمْ إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ لَا رَيْبَ فِيهِ ۗ

नहीं. वो तुम्हें जरूर जमा करेगा कयामत के दिन में जिस में कोई शक नहीं. और अल्लाह से

وَمَنْ أَصْدَقُ مِنَ اللَّهِ حَدِيثًا ۗ ﴿٨٧﴾ فَمَا لَكُمْ

जयादा सच्ची बात किस की हो सकती है? फिर तुम्हें क्या हुवा के मुनाफ़िकीन के बारे में हो

فِي الْمُنْفِقِينَ فَعَتَيْنِ وَاللَّهُ أَرْكَسَهُمْ بِمَا كَسَبُوا ۗ

जमाअते बन रहे हो, डालांके अल्लाह ने उन के आमाव की वजह से उन को ठिंधा कर दिया है. क्या ये

أَتْرِيدُونَ أَنْ تَهْدُوا مَنْ أَضَلَّ اللَّهُ ۗ وَمَنْ يُضِلِّ

याहते हो के तुम उन को डिहायत हो जिन को अल्लाह ने गुमराह किया? और जिस को अल्लाह गुमराह कर दे

اللَّهُ فَلَنْ تَجِدَ لَهُ سَبِيلًا ۗ ﴿٨٨﴾ وَدُّوا لَوْ تَكْفُرُونَ

तो आप उस के लिये कोई रास्ता डरगिअ नहीं पाओगे. वो याहते हैं के काश के तुम भी काफ़िर बन जाओ

كَمَا كَفَرُوا فَتَكُونُونَ سَوَاءً فَلَا تَتَّخِذُوا مِنْهُمْ

जैसा के वो काफ़िर बन गये हैं के फिर तुम और वो बराबर हो जाओ, तो तुम उन में से किसी को दोस्त

أَوْلِيَاءَ حَتَّى يُهَاجِرُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۗ فَإِنْ تَوَلَّوْا

मत बनाओ जब तक के वो अल्लाह के रास्ते में डिजरत न करें. फिर अगर वो औराज करें

فَخُذُوهُمْ ۗ وَاقْتُلُوهُمْ حَيْثُ وَجَدْتُمُوهُمْ ۗ

तो तुम उन को पकडो और उन को क्तल करो जहां तुम उन को पाओ.

وَلَا تَتَّخِذُوا مِنْهُمْ وِلِيًّا وَلَا نَصِيرًا ۗ ﴿٨٩﴾ إِلَّا الَّذِينَ

और तुम उन में से किसी को मददगार और दोस्त मत बनाओ. मगर वो लोग जो ऐसी कौम से

يَصِلُونَ إِلَى قَوْمٍ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَهُمْ مِيثَاقٌ أَوْ جَاءُوكُمْ

तअल्लुक रभते हैं के तुम्हारे और उन के दरमियान में मुआहदा है या वो तुम्हारे पास आये

حَصْرَتْ صُدُورُهُمْ أَنْ يُقَاتِلُوكُمْ أَوْ يُقَاتِلُوا

ईस डाल में के उन के सीने त-ग हैं ईस से के वो तुम से किताल करें या अपनी कौम से किताल करें.

قَوْمَهُمْ ۗ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَسَلَّطَهُمْ عَلَيْكُمْ فَلَقَاتَلُوكُمْ ۗ

और अगर अल्लाह याहता तो उन को तुम पर मुसल्लत करता, फिर वो तुम से किताल करते.

فَإِنْ اعْتَزَلُوكُمْ فَلَمْ يُقَاتِلُوكُمْ وَأَلْقَوْا إِلَيْكُمُ

फिर अगर ये लोग तुम से अलग रहें, फिर तुम से किताल न करें और तुम्हारी तरफ सुल्ल को

السَّلَامَ فَمَا جَعَلَ اللَّهُ لَكُمْ عَلَيْهِمْ سَبِيلًا ﴿۹۱﴾

डालें, तो अदलावट ने तुम्हारे लिये उन पर कोई रास्ता नहीं बनाया।

سَتَجِدُونَ آخِرِينَ يُرِيدُونَ أَنْ يَأْمَنُواكُم

अनकरीब तुम दूसरों को पाओगे जो चाहते हैं के वो तुम से अमन में रहें

وَيَأْمَنُوا قَوْمَهُمْ ط كَمَا رُدُّوْا إِلَى الْفِتْنَةِ أُرْكَسُوا

और अपनी कौम से भी अमन में रहें. जब कभी वो कितने के लिये बुलाये जाते हैं तो उस में उाँधे

فِيهَا فَإِنَّ لَمْ يَعْزِلُوكُمْ وَيُلْقُوا إِلَيْكُمُ السَّلَامَ

गिरते हैं. फिर अगर वो तुम से अलग न रहें और तुम्हारी तरफ सुलह को न डालें

وَيَكْفُرُوا أَيْدِيَهُمْ فَخَذُّوهُمْ وَأَقْتُلُوهُمْ حَيْثُ

और अपने हाथ न रोकें तो उन को पकडो और उन को कत्ल करो जहाँ

تَقِفْتُمُوهُمْ ط وَأُولَئِكُمْ جَعَلْنَا لَكُمْ عَلَيْهِمْ سُلْطٰنًا

उन को पाओ. और यही हैं के उन पर हम ने तुम्हारे लिये वाजिब दलील मुकरर

مُبَيِّنًا ﴿۹۲﴾ وَمَا كَانَ لِمُؤْمِنٍ أَنْ يَقتَلَ مُؤْمِنًا

कर दी है. और किसी मोमिन के लिये जाँझ नहीं है के किसी मोमिन को कत्ल करे मगर गलती से.

إِلَّا خَطَاً وَمَنْ قَتَلَ مُؤْمِنًا خَطَاً فَتَحْرِيرُ رَقَبَةٍ

और जो किसी मोमिन को गलती से भी कत्ल करेगा तो उसे एक मोमिन गर्दन (गुलाम या बान्दी)को

مُؤْمِنَةٍ وَوَدِيَّةٌ مُسَلَّمَةٌ إِلَىٰ أَهْلِهَا إِلَّا

आजाद करना है और दियत है जो सुपुर्द की जायेगी मकतूल के वुरसा को मगर

أَنْ يَصَدَّقُوا ط فَإِنْ كَانَ مِنْ قَوْمٍ عَدُوٍّ لَكُمْ وَهُوَ

ये के वो माफ़ कर दे. फिर अगर वो मकतूल तुम्हारे दुशमन की कौम में से हो और वो

مُؤْمِنٌ فَتَحْرِيرُ رَقَبَةٍ مُؤْمِنَةٍ ط وَإِنْ كَانَ

मोमिन भी हो तो फिर एक मोमिन गर्दन को आजाद करना है. और अगर वो

مِنْ قَوْمٍ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَهُمْ مِيثَاقٌ فَدِيَةٌ

ऐसी कौम में से हो के तुम्हारे और उन के दरमियान में मुआहदा हो तो दियत है

مُسَلَّمَةٌ إِلَىٰ أَهْلِهَا وَتَحْرِيرُ رَقَبَةٍ مُؤْمِنَةٍ ؕ

जो सुपुर्द की जायेगी मकतूल के वुरसा को और एक मोमिन गर्दन को आजाद करना है.

فَمَنْ لَّمْ يَجِدْ فَصِيَامُ شَهْرَيْنِ مُتَتَابِعَيْنِ تَوْبَةً

ફિર જો ઉસ કો ન પાએ તો દો મહીને કે લગાતાર રોઝે રખને હૈં. અલ્લાહ કી તરફ સે

مِّنَ اللَّهِ ۖ وَكَانَ اللَّهُ عَلِيمًا حَكِيمًا ۝

તૌબા કે તૌર પર. ઓર અલ્લાહ ઇલ્મ વાલે, હિકમત વાલે હૈં. ઓર જો

يَقْتُلُ مُؤْمِنًا مُّتَعَمِّدًا فَجَزَاءُ ۖ جَهَنَّمُ خَالِدًا

કિસી મોમિન કો જાન બૂજ કર કતલ કરે તો ઉસ કી સજા જહન્નમ હૈ, જિસ મેં વો હમેશા રહેગા

فِيهَا وَغَضِبَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَعْنَةُ وَ أَعَدَّ لَهُ عَذَابًا

ઓર અલ્લાહ કા ઉસ પર ગઝબ હૈ ઓર ઉસ પર લાનત હૈ ઓર અલ્લાહ ને ઉસ કે લિયે ભારી

عَظِيمًا ۝ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا ضَرَبْتُمْ

અઝાબ તૈયાર કર રખા હૈ. એ ઈમાન વાલો! જબ તુમ અલ્લાહ કે રાસ્તે મેં

فِي سَبِيلِ اللَّهِ فَتَبَيَّنُوا وَلَا تَقُولُوا لِمَنْ أَلْقَىٰ

સફર કરો તો અચ્છી તરહ તહકીક કર લો ઓર ઉસ શખ્સ કે મુતઅલ્લિક જો તુમ્હેં સલામ કરે

إِلَيْكُمُ السَّلَامَ لَسْتَ مُؤْمِنًا تَبْتَغُونَ عَرَضَ

ઉસ કો યૂં મત કહો કે તૂ મોમિન નહી હૈ. કયા તુમ દુન્યવી ઝિન્દગી કા

الْحَيَاةِ الدُّنْيَا فَعِنْدَ اللَّهِ مَغَانِمٌ كَثِيرَةٌ ۖ كَذَلِكَ

સામાન ચાહતે હો? ફિર અલ્લાહ કે પાસ બહોત સી ગનીમતેં હૈં. ઈસી તરહ ઉસ સે

كُنْتُمْ مِّن قَبْلُ فَمَنْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ فَتَبَيَّنُوا ۗ

પેહલે તુમ ભી થે, ફિર અલ્લાહ ને તુમ પર એહસાન ફરમાયા તો અચ્છી તરહ તહકીક કર લિયા કરો.

إِنَّ اللَّهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرًا ۝ لَا يَسْتَوِي

યકીનન અલ્લાહ તુમ્હારે આમાલ સે બાખબર હૈં. ઈમાન વાલોં મેં સે

الْقَعْدُونَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ عَيْرٌ أُولَى الضَّرِّ

જિહાદ સે બૈઠને વાલે જો માઝૂરીન કે અલાવા હોં, વો ઓર અલ્લાહ કે

وَالْمُجَاهِدُونَ فِي سَبِيلِ اللَّهِ بِأَمْوَالِهِمْ وَأَنْفُسِهِمْ

રાસ્તે મેં અપને માલોં ઓર જાનોં કે ઝરિયે જિહાદ કરને વાલે દોનોં બરાબર નહી હો સકતે.

فَضَّلَ اللَّهُ الْمُجَاهِدِينَ بِأَمْوَالِهِمْ وَأَنْفُسِهِمْ

અલ્લાહ ને અપને માલોં ઓર જાનોં કે ઝરિયે જિહાદ કરને વાલોં કો ફઝીલત દી હૈ જિહાદ સે

عَلَى الْقُعْدِيْنَ دَرَجَةً ۖ وَكُلًّا وَعَدَ اللَّهُ

बैठने वालों पर एक दरजे के अतिवार से. और हर एक से अल्लाह ने अच्छे बदले का

الْحُسْنَى ۖ وَفَضَّلَ اللَّهُ الْمُجَاهِدِينَ عَلَى الْقُعْدِيْنَ

वादा किया है. और अल्लाह ने जिहाद करने वालों को जिहाद से बैठने वालों पर इत्तीवत दी है

أَجْرًا عَظِيمًا ﴿٩٥﴾ دَرَجَاتٍ مِّنْهُ وَمَغْفِرَةً وَرَحْمَةً ۖ

भारी अजर से. जो अल्लाह की तरफ से दरजात होंगे और मगफिरत और रहमत होगी.

وَكَانَ اللَّهُ غَفُورًا رَّحِيمًا ﴿٩٦﴾ إِنَّ الَّذِينَ تَوَفَّيْتُمْ

और अल्लाह बफ्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं. यकीनन वो लोग जो अपनी जानों पर

الْمَلِكَةَ ظَالِمًا لِّنَفْسِهِمْ قَالُوا فِيمَ كُنْتُمْ ۖ

जुल्म करने वाले हैं, उन की इरिशते जान निकालते हैं तो इरिशते पुछते हैं के तुम किस जगा में थे?

قَالُوا كُنَّا مُسْتَضْعَفِينَ فِي الْأَرْضِ ۖ قَالُوا

तो वो केहते हैं के हम इस मुल्क में कमजोर कर के रहे गये थे. तो वो केहते हैं के

أَلَمْ تَكُنْ أَرْضَ اللَّهِ وَأَسِعَةَ فَتَهَاجِرُوا فِيهَا ۖ

क्या अल्लाह की जमीन वसीअ नहीं थी के तुम उस में डिजरत कर जाते?

فَأُولَٰئِكَ مَأْوَاهُمْ جَهَنَّمُ ۖ وَسَاءَتْ مَصِيرًا ﴿٩٧﴾

इर उन का ठिकाना जहन्नम है. और वो बुरी जगा है.

إِلَّا الْمُسْتَضْعَفِينَ مِنَ الرِّجَالِ وَالنِّسَاءِ

मगर वो जो कमजोर कर के रहे गये हों मर्दों और औरतों

وَالْوُلْدَانَ لَا يَسْتَطِيعُونَ حِيلَةً وَلَا يَهْتَدُونَ

और बर्यों में से, जो किसी ढीले की ताकत नहीं रहते और वो न कोई रास्ता

سَبِيلًا ﴿٩٨﴾ فَأُولَٰئِكَ عَسَى اللَّهُ أَنْ يَعْفُوَ عَنْهُمْ ۖ

जानते हैं. तो उम्मीद है के अल्लाह उन-हें माफ़ कर दें. और अल्लाह

وَكَانَ اللَّهُ عَفُورًا غَفُورًا ﴿٩٩﴾ وَمَنْ يُهَاجِرْ

बहोत ज्यादा माफ़ करने वाले, बहोत ज्यादा बफ्शने वाले हैं. और जो डिजरत करेगा

فِي سَبِيلِ اللَّهِ يَجِدْ فِي الْأَرْضِ مُرْعَمًا كَثِيرًا

अल्लाह के रास्ते में तो वो जमीन में बहोत सी कशाईश

وَسَعَةً ۖ وَمَنْ يَخْرُجْ مِنْ بَيْتِهِ مُهَاجِرًا

और वृत्त पाओगा. और जो अपने घर से निकले मुहाजिर बन कर

إِلَى اللَّهِ وَرَسُولِهِ ثُمَّ يُدْرِكُهُ الْمَوْتُ فَقَدْ وَقَعَ

अल्लाह और उस के रसूल की तरफ, फिर उस को मौत पा ले तो उस

أَجْرًا عَلَى اللَّهِ ۖ وَكَانَ اللَّهُ غَفُورًا رَحِيمًا ۝

का अजर अल्लाह के जिम्मे वाजिब हो गया. और अल्लाह बख्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं.

وَإِذَا ضَرَبْتُمْ فِي الْأَرْضِ فَلَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ

और जब तुम जमीन में सफर करो, फिर तुम पर कोई गुनाह नहीं है

أَنْ تَقْصُرُوا مِنَ الصَّلَاةِ ۖ إِنْ خِفْتُمْ أَنْ يَفْتِنَكُمْ

के नमाज को कसर पण्डो, अगर तुम्हें डर हो के काफिर

الَّذِينَ كَفَرُوا ۖ إِنَّ الْكٰفِرِينَ كَانُوا لَكُمْ عَدُوًّا

तुम्हें सतायेंगे. यकीनन काफिर लोग तुम्हारे भुले दुश्मन हैं. और जब

مُبِينًا ۝ وَإِذَا كُنْتَ فِيهِمْ فَأَقْبْتَ لَهُمُ الصَّلَاةَ

आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) उन में हों, फिर आप उन के लिये नमाज काईम करें

فَلْتَقُمْ طَآئِفَةً مِّنْهُمْ مَّعَكَ وَلِيَأْخُذُوا أَسْلِحَتَهُمْ ۚ

तो याहिये के उन में से ओक जमाअत आप के साथ भडी हो जाओ और उन-हें याहिये के वो अपना

فَإِذَا سَجَدُوا فَلْيَكُونُوا مِنْ وَرَائِكُمْ ۚ وَلَتَأْتِ

असलहा लिये रहें. फिर जब वो सजदा करें तो वो तुम्हारे पीछे हो जायें, और दुसरी

طَآئِفَةٌ أُخْرَى لَمْ يُصَلُّوا فَلْيُصَلُّوا مَعَكَ

जमाअत आ जाओ जिस ने नमाज नहीं पण्डी, फिर याहिये के वो आप के साथ नमाज पण्डें

وَلِيَأْخُذُوا حِذْرَهُمْ وَأَسْلِحَتَهُمْ ۚ وَذَ الَّذِينَ

और वो भी अपनी डिफाजत का सामान और अपना असलहा लिये रहें. काफिर लोग याहते हैं

كَفَرُوا لَوْ تَغْفُلُونَ عَنْ أَسْلِحَتِكُمْ وَأَمْتِعَتِكُمْ

के काश के तुम अपने असलहे और अपने सामान से गाफिल हो जाओ,

فَيَمِيلُونَ عَلَيْكُمْ مَّيْلَةً وَاحِدَةً ۗ وَلَا جُنَاحَ

फिर वो अयानक तुम्हारे उपर हमला कर दें. और अगर तुम्हें भारिश की

عَلَيْكُمْ إِنْ كَانَ بِكُمْ أذى مِّن مَّطَرٍ أَوْ كُنْتُمْ

वजह से तकलीफ़ हो या तुम भीमार हो तो तुम पर कोई गुनाह नहीं है

مَرْضَىٰ أَنْ تَضَعُوا أَسْلِحَتَكُمْ ۖ وَخُذُوا حِذْرَكُمْ ۗ

ईस में के अपने उथयार रभ हो. और अपने बयाव के सामान को लिये रछो.

إِنَّ اللَّهَ أَعَدَّ لِلْكَافِرِينَ عَذَابًا مُّهِينًا ۝۱۴

यकीनन अल्लाह ने काफ़िरो के लिये रुस्वा करने वाला अजाब तैयार कर रभा है.

فَإِذَا قَضَيْتُمُ الصَّلَاةَ فَادْكُرُوا اللَّهَ قِيَمًا وَقَعُودًا

झिर जब नमाज अदा कर चुको तो अल्लाह को याद करो भडे और बैठे

وَعَلَىٰ جُنُوبِكُمْ ۖ فَإِذَا اطْمَأَنَّتُمْ فَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ ۗ

और अपने पेडलू पर लेट कर. झिर जब तुम मुतमईन हो तो नमाज काईम करो.

إِنَّ الصَّلَاةَ كَانَتْ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ كِتَابًا مَّوْقُوتًا ۝۱۵

यकीनन नमाज ईमान वालों पर मुकररी औकात में इर्र की गई है. और

وَلَا تَهِنُوا فِي ابْتِغَاءِ الْقَوْمِ ۗ إِنْ تَكُونُوا تَأْلَمُونَ

ईस कौम का पीछा करने में छिम्मत न डारो. अगर तुम्हें अलम (तकलीफ़) पड़ोया है तो उन्हें

فَإِنَّهُمْ يَأْلَمُونَ كَمَا تَأْلَمُونَ ۗ وَ تَرْجُونَ مِنَ اللَّهِ

भी अलम पड़ोया है जैसा के तुम्हें अलम पड़ोया है. और तुम अल्लाह से उम्मीद रभते हो

مَا لَا يَرْجُونَ ۗ وَكَانَ اللَّهُ عَلِيمًا حَكِيمًا ۝۱۶

उन चीजों की जो वो उम्मीद नहीं रभते. और अल्लाह ईल्म वाले, छिकमत वाले हैं. यकीनन उम ने

إِنَّا أَنْزَلْنَا إِلَيْكَ الْكِتَابَ بِالْحَقِّ لِتَحْكُمَ بَيْنَ النَّاسِ

आप की तरफ़ ये किताब उतारी डक के साथ ताके आप झैस्वा करे ई-सानों के दरमियान ईस के मुताबिक

بِمَا أَرْسَلَ اللَّهُ ۗ وَلَا تَكُنْ لِلْخَائِنِينَ خَصِيمًا ۝۱۷

जो अल्लाह आप को द्रिभाओ. और आप भयानत करने वालों की तरफ़ से जघडा करने वाले न बनें.

وَاسْتَغْفِرِ اللَّهَ ۗ إِنَّ اللَّهَ كَانَ غَفُورًا رَّحِيمًا ۝

और आप अल्लाह से ईस्तिग़फ़र कीजिये. यकीनन अल्लाह बडोत जयादा बप्शने वाला, निडायत

وَلَا تُجَادِلْ عَنِ الَّذِينَ يَخْتَانُونَ أَنفُسَهُمْ ۗ إِنَّ

रडम वाला है. और आप उन की तरफ़ से न जघडें जो अपनी जनों से भयानत करते हैं. यकीनन



اللَّهُ لَا يُحِبُّ مَنْ كَانَ خَوَانًا أَثِيمًا ﴿۱۲۷﴾ يَسْتَخْفُونَ

अद्वलाह उस शप्स से महप्पत नही रभता जो भयानत करने वाला, गुनेहगार है. वो लोगो

مِنَ النَّاسِ وَلَا يَسْتَخْفُونَ مِنَ اللَّهِ وَهُوَ مَعَهُمْ

से छुपना याहते हैं और अद्वलाह से छुप नही सकते इस डाल में के वो उन के साथ डोता है

إِذْ يُبَيِّنُونَ مَا لَا يَرْضَى مِنَ الْقَوْلِ ۗ وَكَانَ

जब वो रात के वकत सरगोशी कर रहे डोते हैं ऐसी बातों की जो अद्वलाह को पसन्द नही हैं. और

اللَّهُ بِمَا يَعْمَلُونَ مُخِيطًا ﴿۱۲۸﴾ هَآنَتُمْ هَآؤُلَآءِ جَادَلْتُمْ

अद्वलाह उन के आमाल का धडाला किये डुवे हैं. सुनो! तुम तो वो लोग डो के तुम ने

عَنَّهُمْ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا فَمَنْ يُجَادِلِ اللَّهَ

उन की तरफ से डुन्यवी जिन्दगी में जघडा कर लिया. फिर कौन अद्वलाह से जघडेगा

عَنَّهُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ أَمْ مَنْ يَكُونُ عَلَيْهِمْ وَكِيلًا ﴿۱۲۹﴾

उन की तरफ से क्यामत के दिन या कौन उन का वकील बनेगा? और जो

وَمَنْ يَعْمَلْ سُوءًا أَوْ يَظْلِمْ نَفْسَهُ ثُمَّ يَسْتَغْفِرِ

कोई डुरा काम कर ले या अपनी जान पर डुल्म कर ले, फिर वो अद्वलाह से धस्तिगडर

اللَّهُ يَجِدِ اللَّهَ غَفُورًا رَحِيمًا ﴿۱۳०﴾ وَمَنْ يَكْسِبِ

कर ले तो वो अद्वलाह को बडोत जयादा भप्शने वाला, निडायत रहम करने वाला पाअेगा. और जो

إِثْمًا فَإِنَّمَا يَكْسِبُهُ عَلَى نَفْسِهِ ۗ وَكَانَ اللَّهُ

गुनाह कमाता है तो वो सिर्फ अपनी जान डी के भिलाइ गुनाह कमा रहा है. और अद्वलाह

عَلِيمًا حَكِيمًا ﴿۱३१﴾ وَمَنْ يَكْسِبِ خَطِيئَةً أَوْ إِثْمًا

धल्म वाले, डिकमत वाले हैं. और जो कोई गलती कर ले या कोई गुनाह कर ले, फिर उस के

ثُمَّ يَرَوْهُ بِهِ بَرِيًّا فَقَدِ احْتَمَلَ بُهْتَانًا وَإِثْمًا مُّبِينًا ﴿۱३२﴾

जरिये किसी भोगुनाह को मुत्तडम करे, तो यकीनन उसने भोडतान और भुले गुनाह का भोज उडया.

وَلَوْ لَا فَضْلُ اللَّهِ عَلَيْكَ وَرَحْمَتُهُ لَهَمَّتْ

और अगर आप पर अद्वलाह का इजल और उस की मेहरबानी न डोती तो उन में से अेक

طَائِفَةٌ مِّنْهُمْ أَنْ يُضِلُّوكَ ۗ وَمَا يُضِلُّونَ إِلَّا

जमाअत ने धरादा कर लिया था इस बात का के वो आप को गुमराह कर दें. और वो गुमराह नही

أَنْفُسَهُمْ وَمَا يَصُرُّونَكَ مِنْ شَيْءٍ ۖ وَ أَنْزَلَ اللَّهُ

करते मगर अपने आप को और वो आप को जरा भी जरूर नहीं पड़ोया सकते. और अल्लाह ने

عَلَيْكَ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَعَلَّمَكَ مَا لَمْ تَكُنْ

आप पर किताब और हिकमत उतारी और आप को धर्म दिया ऐसी चीजों का जो आप

تَعْلَمُ ۖ وَ كَانَ فَضْلُ اللَّهِ عَلَيْكَ عَظِيمًا ﴿١١٠﴾ لَا خَيْرَ

जानते नहीं थे. और अल्लाह का इजल आप पर बड़ोत जयादा है. उन की

فِي كَثِيرٍ مِّنْ تَجْوَاهُمْ إِلَّا مَنْ أَمَرَ بِصَدَقَةٍ

सरगोशियों में से बड़ोत सी सरगोशी में कोई भलाई नहीं, मगर वो शप्स जो सटके का हुकम

أَوْ مَعْرُوفٍ أَوْ إِصْلَاحٍ بَيْنَ النَّاسِ ۖ وَمَنْ يَفْعَلْ

करे या नेकी का हुकम दे या धरसानों के दरमियान सुल्ल का हुकम दे. और जो ऐसा

ذَلِكَ ابْتِغَاءَ مَرْضَاتِ اللَّهِ فَسَوْفَ نُؤْتِيهِ أَجْرًا

करेगा अल्लाह की रजा तलभ करने के लिये तो अनकरीब डम उसे लारी अजर

عَظِيمًا ﴿١١١﴾ وَ مَنْ يُشَاقِقِ الرَّسُولَ مِنْ بَعْدِ

हेंगे. और जो रसूल की मुभालइत करेगा धस के बाद के उस के लिये डिहायत

مَا تَبَيَّنَ لَهُ الْهُدَىٰ وَيَتَّبِعْ غَيْرَ سَبِيلِ الْمُؤْمِنِينَ

वाजेड हो गई और वो धमान वालों के रास्ते के अलावा पर चलेगा, तो डम उस के लिये मडभूभ

نُوَلِّهِ مَا تَوَلَّىٰ وَ نُصَلِّهِ جَهَنَّمَ ۖ وَ سَاءَتْ مَصِيرًا ﴿١١٢﴾

भना हेंगे जिसे उस ने पसन्द किया है और डम उसे जहन्नम में दाभिल करेंगे. और वो भुरी जगा है.

إِنَّ اللَّهَ لَا يَغْفِرُ أَنْ يُشْرَكَ بِهِ وَ يَغْفِرُ مَا دُونَهُ

यकीनन अल्लाह मगफिरत नहीं करेंगे धस की के उस के साथ किसी को शरीक ठेहराया जाअे और वो उस के अलावा की

ذَلِكَ لِمَنْ يَشَاءُ ۖ وَمَنْ يُشْرِكْ بِاللَّهِ فَقَدْ ضَلَّ

मगफिरत कर हेंगे जिस के लिये वो चार्हेंगे. और जो अल्लाह के साथ शरीक ठेहराअे, तो यकीनन वो

ضَلَالًا بَعِيدًا ﴿١١٣﴾ إِنْ يَدْعُونَ مِنْ دُونِهِ إِلَّا إِنشَاءً

दूर की गुमराही में गुमराड हो गया. वो अल्लाह को छोड कर धबाहत नहीं करते मगर मुअन्नस की.

وَ إِنْ يَدْعُونَ إِلَّا شَيْطَانًا مَّرِيدًا ﴿١١٤﴾ لَعَنَهُ اللَّهُ

और वो नहीं पुकारते मगर सरकश शयतान को. जिस पर अल्लाह ने लानत की है.

التَّسَاءُ

١١٠

١١٤

وَ قَالَ لَا تَخِذَنَّ مِنْ عِبَادِكَ نَصِيبًا مَّفْرُوضًا ﴿١١٨﴾

और जिस ने कड़ा है के मैं तेरे बन्दों में से एक मुकरर किया हुआ हिस्सा उठर बनाऊंगा. और मैं

وَلَا ضَلَّئَهُمْ وَلَا مَنِيئَهُمْ وَلَا مَرْتَهُمْ فَلْيَبْتَئِكُنَّ

उन्हें गुमराह किया करूंगा और मैं उन्हें तमन्नाओं दिलाऊंगा और मैं उन्हें हुकम करूंगा, फिर वो

أَذَانَ الْأَنْعَامِ وَلَا مَرْتَهُمْ فَلْيَغَيِّرَنَّ خَلْقَ اللَّهِ

शौपाओं के कान थिरेगे और मैं उन्हें हुकम दूंगा फिर वो अल्लाह के बनाये हुवे ज़िस्म को बदलेंगे.

وَمَنْ يَتَّخِذِ الشَّيْطَانَ وَلِيًّا مِّنْ دُونِ اللَّهِ فَقَدْ

और जो शयतान को दोस्त बनायेगा अल्लाह को छोड कर के तो

خَسِرَ خُسْرَانًا مُّبِينًا ﴿١١٩﴾ يَعِدُهُمْ وَيُمَبِّئُهُمْ

उस ने भुला भसारा उठाया. शयतान उन्हें वादा दिलाता है और उन्हें तमन्नाओं दिलाता है.

وَمَا يَعِدُهُمُ الشَّيْطَانُ إِلَّا غُرُورًا ﴿١٢٠﴾ أُولَٰئِكَ مَا لَهُمْ

और शयतान उन से वादा नहीं करता मगर धोके का. यही हैं जिन का ठिकाना

جَهَنَّمَ ۚ وَلَا يَجِدُونَ عَنْهَا مَحِيصًا ﴿١٢١﴾ وَالَّذِينَ

जहन्नम है. और वो उस से भागने की कोई जगह नहीं पायेंगे. और जो लोग

آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ سَنُدْخِلُهُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي

ईमान लाये और नेक अमल करते रहे, तो अनकरीब हम उन्हें ऐसी जन्नतों में दाखिल करेंगे जिन के

مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا وَعَدَّ اللَّهُ

नीचे से नहरें बहती होंगी, जिन में वो हमेशा रहेंगे. अल्लाह की तरफ से सच्चे

حَقًّا ۚ وَمَنْ أَصْدَقُ مِنَ اللَّهِ قِيلًا ﴿١٢٢﴾ لَيْسَ

वादे के तौर पर. और अल्लाह से उथादा सच्ची बात किस की हो सकती है? न तुम्हारी

بِأَمَانِيكُمْ وَلَا أَمَانِي أَهْلِ الْكِتَابِ ۚ مَنْ يَعْمَلْ

तमन्नाओं पर मदार है और न अहले किताब की तमन्नाओं पर मदार है. जो कोई भुरा काम करेगा

سُوًّا يُجْزَ بِهِ ۚ وَلَا يُجِدُ لَهُ مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلِيًّا

तो उस की सजा पायेगा और वो अपने लिये अल्लाह के अलावा कोई मददगार और कोई कारसाज

وَلَا نَصِيرًا ﴿١٢٣﴾ وَمَنْ يَعْمَلْ مِنَ الصَّالِحَاتِ مِنْ ذَكَرٍ

नहीं पायेगा. और जो नेक आमांल करेगा, वो मर्दों में से हो या औरतों में से हो,

أَوْ أَنْتِ وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَأُولَٰئِكَ يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ

भशर्तके वो मोमिन हो तो वही लोग जन्नत में दाखिल होंगे और उन पर भयूर की गुठली के सूराम

وَلَا يُظْلَمُونَ نَقِيرًا ﴿۱۳۶﴾ وَمَنْ أَحْسَنُ دِينًا مِّمَّنْ

के भराभर भी जुल्म नहीं किया जाएगा. और उस शप्स से बेडतर दीन किस का हो सकता है जिस ने

أَسْلَمَ وَجْهَهُ لِلَّهِ وَهُوَ مُحْسِنٌ وَاتَّبَعَ مِلَّةَ

अपना येडरा अद्लाड के ताबेअ कर दिया और वो नेकी करने वाला है और जो धब्राडीम (अलैडरिससलाम) की मिल्दत

إِبْرَاهِيمَ حَنِيفًا ۖ وَاتَّخَذَ اللَّهُ إِبْرَاهِيمَ خَلِيلًا ﴿۱۳۷﴾

पर यला जो अक अद्लाड ही के हो कर रेडने वाले थे. और अद्लाड ने धब्राडीम (अलैडरिससलाम) को पलील बनाया था.

وَاللَّهُ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ ۗ وَكَانَ

और अद्लाड की मिल्दक हैं वो तमाम चीजों जो आस्मानों में हैं और जो जमीन में हैं. और अद्लाड

اللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ مُّحِيطًا ﴿۱۳۸﴾ وَ يَسْتَفْتُونَكَ

डर चीज का धडाता किये डुवे है. और ये आप से सवाल करते हैं औरतों

فِي النِّسَاءِ ۗ قُلِ اللَّهُ يُفْتِيكُمْ فِيهِنَّ ۖ وَمَا يُتْلَىٰ عَلَيْكُمْ

के बारे में. आप डरमा धीजिये के अद्लाड तुम्हें धजजत देते हैं उन औरतों के बारे में.

فِي الْكِتٰبِ فِي يَتِمِّي النِّسَاءِ الَّتِي لَا تُوْتُوْنَهُنَّ

और वो जो तुम को सुनाया जाता है कुर्आन में यतीम लडकियों के बारे में जिन को तुम नहीं देते

مَا كُتِبَ لَهُنَّ وَ تَرَعْبُونَ أَنْ تَنْكِحُوهُنَّ

वो जो उन के लिये मुकरर किया गया है और तुम औरत करत हो उस से के तुम उन से निकाड करो

وَالْمُسْتَضْعَفِينَ مِنَ الْوُلْدَانِ ۖ وَأَنْ تَقُومُوا لِلْيَتَامَىٰ

और कमजोर बर्यों के मुतअद्लिक और धस भात का के तुम यतीमों के लिये ध-साड को ले

بِالْقِسْطِ ۗ وَمَا تَفَعَّلُوا مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ كَانَ

कर पडे हो जाओ. और जो ललाध भी तुम करोगे तो यकीनन अद्लाड उसे

بِهِ عَلِيمًا ﴿۱۳۹﴾ وَإِنْ أَمْرًا ۖ خَافَتْ مِنْ بَعْلِهَا

पूष जानते हैं. और अगर किसी औरत को अ-देशा हो अपने शौडर की तरड से

نُسُوزًا أَوْ إِعْرَاضًا فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا أَنْ يُصْلِحَا

डकतलडी या बेअैतेनाध का तो उन दोनों पर कोध गुनाड नहीं है के वो आपस

بَيْنَهُمَا صُلْحًا وَالصُّلْحُ خَيْرٌ وَأُحْضِرَتِ الْأَنْفُسُ

में सुलह कर लें. और सुलह बेहतर है. और भुल्ल सब ही तबायेअ में

الشَّخْطِ وَإِنْ تُحْسِنُوا وَتَتَّقُوا فَإِنَّ اللَّهَ كَانَ

रभा गया है. और अगर तुम नेकी करोगे और मुत्तकी बनोगे तो यकीनन अल्लाह तुम्हारे आमाद से

بِمَا تَعْمَلُونَ خَيْرًا ۗ وَكُنْ تَسْتَطِيعُونَ أَنْ تَعْدِلُوا بَيْنَ

भाभबर है. और तुम इस की ताकत हरगिज नही रभते के ई-साइ करो भीवियों के हरमियान

النِّسَاءِ وَلَوْ حَرَصْتُمْ فَلَا تَمِيلُوا كُلَّ الْمَيْلِ فَتَذَرُوهَا

अगरये तुम किल्ली डिर्स करो, इस लिये पूरे तौर पर अेक तरइ माईल न छो जाओ के तुम उसे अधर

كَالْمَعْلَقَةِ ۗ وَإِنْ تَصْلِحُوا وَتَتَّقُوا فَإِنَّ اللَّهَ

लटकी डुई की तरड छोड दो. और अगर तुम ईस्लाड करो और मुत्तकी बनो तो यकीनन अल्लाह भडोत

كَانَ غَفُورًا رَحِيمًا ۗ وَإِنْ يَتَفَرَّقَا يُغْنِ اللَّهُ كُلًّا

जयादा भपशने वाले, निडायत रडम वाले हैं. और अगर वो दोनों अलग छो जाअेंगे तो अल्लाह

مِّنْ سَعَتِهِ ۗ وَكَانَ اللَّهُ وَاسِعًا حَكِيمًا ۗ وَاللَّهُ

अपनी वुस्अत से सब को गनी कर देंगे. और अल्लाह वुस्अत वाले, डिकमत वाले हैं. और अल्लाह की मिल्क हैं

مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۗ وَلَقَدْ وَصَّيْنَا الَّذِينَ

वो तमाम थीजें जो आस्मानों में हैं और जो जमीन में हैं. और यकीनन डम ने ताकीही डुकम दिया उन को

أُوتُوا الْكِتَابَ مِنْ قَبْلِكُمْ وَإِيَّاكُمْ أَنْ اتَّقُوا اللَّهَ ۗ

जिन्हें किताब दी गई तुम से पेडले और तुम्हें भी ये के अल्लाह से डरो. और अगर तुम डुइ

وَإِنْ تَكْفُرُوا فَإِنَّ لِلَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۗ

करोगे तो यकीनन अल्लाह की मिल्क हैं वो तमाम थीजें जो आस्मानों में हैं और जो जमीन में हैं. और

وَكَانَ اللَّهُ غَنِيًّا حَمِيدًا ۗ وَاللَّهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ

अल्लाह बेनियाज है, काबिले तारीइ है. और अल्लाह की मिल्क हैं वो तमाम थीजें जो आस्मानों में हैं

وَمَا فِي الْأَرْضِ ۗ وَكَفَى بِاللَّهِ وَكِيلًا ۗ إِنَّ يَسْأَلُ

और जो जमीन में हैं. और अल्लाह काइी कारसाज है. अगर अल्लाह याडे

يُذْهِبْكُمْ أَيُّهَا النَّاسُ وَيَأْتِ الْآخِرِينَ ۗ وَكَانَ

तो तुम्हें डलाक कर दे अे ई-सानो! और दूसरों को ले आअे. और अल्लाह

اللهُ عَلَىٰ ذٰلِكَ قَدِيْرًا ﴿۱۳۷﴾ مَنْ كَانَ يُرِيْدُ ثَوَابَ	उस पर कुदरत वाला है. जो हुन्या का सवाब चाहेगा
الدُّنْيَا فَعِنْدَ اللهِ ثَوَابُ الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۗ وَكَانَ	तो अदलाउ के पास हुन्या और आभिरत का सवाब है. और अदलाउ
اللهُ سَمِيْعًا بَصِيْرًا ﴿۱۳۸﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا كُونُوا	सुनने वाले, हेभने वाले हैं. ऐ धमान वालो! ध-साफ़ को ले कर षडे डोने वाले बन जाओ,
قَوْمِيْنَ بِالْقِسْطِ ۗ شُهَدَاءَ لِلّٰهِ وَلَوْ عَلَىٰ أَنْفُسِكُمْ	अदलाउ के लिये गवाडी देने वाले बन जाओ, अगरथे अपनी जानों के भिलाफ़
أَوْ الْوَالِدِيْنَ وَالْأَقْرَبِيْنَ ۗ إِنْ يَكُنْ غَنِيًّا أَوْ فَاقِيْرًا	वो गवाडी कयूं न डो या वालिहैन और रिशतेदारों के भिलाफ़ कयूं न डो. अगर वो मालदार या फ़कीर हैं
فَاللّٰهُ أَوْلَىٰ بِهِمَّاتٍ فَلَا تَتَّبِعُوا الْهَوَىٰ أَنْ تَعْدِلُوا ۗ	तो अदलाउ उन से जयादा महब्बत वाला है. तो ष्वाडिशत के पीछे मत षडे के तुम ध-साफ़ न करो.
وَإِنْ تَلَّوْا أَوْ تُعْرَضُوا فَإِنَّ اللهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ	और अगर तुम मुंड मोडोगे या औराज करोगे तो यकीनन अदलाउ तुम्हारे आमाल से
خَبِيْرًا ﴿۱۳۹﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا آمِنُوا بِاللّٰهِ	भाभबर है. ऐ धमान वालो! धमान लाओ अदलाउ पर और उस के
وَرَسُوْلِهِ ۗ وَالْكِتَابِ الَّذِي نَزَّلَ عَلَىٰ رَسُوْلِهِ ۗ وَالْكِتَابِ	रसूल पर और उस किताब पर जो उस ने उतारी अपने रसूल पर और उन किताबों पर
الَّذِي أَنْزَلَ مِنْ قَبْلُ ۗ وَمَنْ يَكْفُرْ بِاللّٰهِ وَرَسُوْلِهِ	जो धस से षेडले उस ने उतारी हैं. और जो कुफ़ करेगा अदलाउ के साथ और उस के इरिशतों और
وَكَتٰبِهِ ۗ وَرَسُوْلِهِ ۗ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ ۗ فَقَدْ ضَلَّ ضَلٰلًا	उस की किताबों और उस के षैगम्बरों और आभिरी दिन के साथ तो यकीनन वो दूर की गुमराडी में
بَعِيْدًا ﴿۱۴۰﴾ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا ثُمَّ كَفَرُوا ثُمَّ آمَنُوا	गुमराड डो गया. यकीनन वो लोग जो धमान लाओ, फिर काफ़िर डो गओ, फिर धमान लाओ,
ثُمَّ كَفَرُوا ثُمَّ أَرَادُوا كُفْرًا لَّمْ يَكُنِ اللهُ لِيَغْفِرْ لَهُمْ	फिर काफ़िर डो गओ, फिर कुफ़ में वो षढते रडे, तो अदलाउ ऐसा नडी है के उन की मगफ़िरत करे और

وَلَا لِيَهْدِيَهُمْ سَبِيلًا ﴿۱۳۷﴾ بَشِّرِ الْمُنْفِقِينَ بِأَنَّ لَهُمْ

अवलाह ऐसा नही है के उन को रास्ते की छिदायत हे. मुनाफ़िकों को बशरत सुना दीजिये एस बात की

عَذَابًا أَلِيمًا ﴿۱۳۸﴾ الَّذِينَ يَتَّخِذُونَ الْكُفْرِينَ أَوْلِيَاءَ

के उन के लिये दहनक अजाब है. उन को जो काफ़िरो को दोस्त बनाते हैं

مِنْ دُونِ الْمُؤْمِنِينَ ۖ أَيَبْتَغُونَ عِنْدَهُمُ الْعِزَّةَ

ईमान वालों को छोड कर. क्या वो उन के पास ईज्जत याहते हैं?

فَإِنَّ الْعِزَّةَ لِلَّهِ جَمِيعًا ﴿۱۳۹﴾ وَقَدْ نَزَّلَ عَلَيْكُمْ

तो यकीनन सारी की सारी ईज्जत अवलाह ही की है. यकीनन उस ने तुम पर किताब में ये बात

فِي الْكِتَابِ أَنْ إِذَا سَمِعْتُمْ آيَاتِ اللَّهِ يُكْفَرُ بِهَا

उतारी है के जब तुम अवलाह की आयतों को सुनो के उन के साथ कुफ़र किया जा रहा है

وَ يُسْتَهْزَأُ بِهَا فَلَا تَفْعَدُوا مَعَهُمْ حَتَّىٰ يَخُوضُوا

और उन का मजाक उदाया जा रहा है तो तुम उन के साथ मत बैठो यहां तक के वो उस के अलावा किसी

فِي حَدِيثٍ غَيْرِهِ ۚ إِنَّكُمْ إِذَا مَثَلْتُمْ ۖ إِنَّ اللَّهَ جَامِعٌ

दूसरी बात में लग जाओ. यकीनन तब तो तुम उन्ही जैसे डो जाओगे. यकीनन अवलाह मुनाफ़िकों

الْمُنْفِقِينَ وَالْكُفْرِينَ فِي جَهَنَّمَ جَمِيعًا ﴿۱۴०﴾ الَّذِينَ

और काफ़िरो को जहन्नम में सब को एकठा करने वाला है. उन को जो तुम्हारे

يَتَرَبَّصُونَ بِكُمْ فَإِنْ كَانَ لَكُمْ فِتْحٌ مِّنَ اللَّهِ قَالُوا

मुतअद्लिक मुन्तअिर रेहते हैं, फिर अगर अवलाह की तरफ़ से तुम्हारे लिये फ़तह डो तो वो केहते हैं

أَلَمْ نَكُنْ مَعَكُمْ ۗ وَإِنْ كَانَ لِلْكُفْرِينَ نَصِيبٌ ۚ قَالُوا

के क्या डम तुम्हारे साथ नही थे? और अगर काफ़िरो का हिस्सा डो तो केहते हैं

أَلَمْ نَسْتَحِذْ عَلَيْكُمْ وَ نَمْنَعُكُمْ مِّنَ الْمُؤْمِنِينَ ۖ فَاللَّهُ

क्या डम तुम पर गा़लिब नही आ गअे थे और मुसलमानों से बयाया नही था? फिर अवलाह

يُحْكُمُ بَيْنَكُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۖ وَلَنْ يَجْعَلَ اللَّهُ لِلْكُفْرِينَ

तुम्हारे दरमियान क्यामत के दिन क़ैसला करेगा. और अवलाह ने काफ़िरो के लिये ईमान वालों

عَلَى الْمُؤْمِنِينَ سَبِيلًا ﴿۱۴۱﴾ إِنَّ الْمُنْفِقِينَ يُخَدَعُونَ

पर रास्ता डरगिळ नही बनाया. यकीनन मुनाफ़िक लोग वो अवलाह को धोका हे रहे हैं

اللَّهُ وَهُوَ خَادِعُهُمْ ۚ وَإِذَا قَامُوا إِلَى الصَّلَاةِ قَامُوا

और अल्लाह भी उन के खिलाफ़ तदबीर कर रहा है. और जब वो नमाज़ के लिये ખડे હોते हैं

كَسَالَى ۙ يُرَاءُونَ النَّاسَ وَلَا يَذْكُرُونَ اللَّهَ

तो सुस्ती से ખડे હોते हैं. वो लोगों से दिखलावा करते हैं और वो अल्लाह को याद नहीं करते

إِلَّا قَلِيلًا ۗ مُذَبِّبِينَ بَيْنَ ذَلِكَ ۗ لَا إِلَى هَؤُلَاءِ

मगर थोडा. वो उस के दरमियान तज़बज़ुब में हैं, न उन की तरफ़

وَلَا إِلَى هَؤُلَاءِ ۗ وَمَنْ يُضِلِلِ اللَّهُ فَتَنَ تَجِدَ لَهُ

और न उन की तरफ़. और जिस को अल्लाह गुमराह कर दे तो आप उस के लिये कोई रास्ता

سَبِيلًا ۗ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَّخِذُوا

हरगिज़ नहीं पाओगे. ओ ईमान वालो! तुम काफ़िरो को

الْكَافِرِينَ أَوْلِيَاءَ مِنْ دُونِ الْمُؤْمِنِينَ ۗ أَتُرِيدُونَ

दोस्त मत बनाओ ईमान वालों को छोड कर. क्या तुम ये चाहते हो के

أَنْ تَجْعَلُوا لِلَّهِ عَلَيْكُمْ سُلْطَانًا مُّبِينًا ۗ

अल्लाह के लिये अपने खिलाफ़ वालेड हकील मुकरर कर दो?

إِنَّ الْمُنَافِقِينَ فِي الدَّرَكِ الْأَسْفَلِ مِنَ النَّارِ

यकीनन मुनाफ़िक लोग जहन्नम के सभ से नीचे वाले तबके में होंगे. और आप उन के

وَلَنْ تَجِدَ لَهُمْ نَصِيرًا ۗ إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا وَأَصْلَحُوا

लिये कोई मददगार हरगिज़ नहीं पाओगे. मगर वो लोग जिन्हों ने तौबा की और ईस्लाह की

وَأَعْتَصَمُوا بِاللَّهِ وَأَخْلَصُوا دِينَهُمْ لِلَّهِ فَأُولَٰئِكَ

और आल्लाह की रस्सी को मज़बूत पकडा और अपने दीन को अल्लाह के लिये ખालिस किया तो

مَعَ الْمُؤْمِنِينَ ۗ وَسَوْفَ يُؤْتِ اللَّهُ الْمُؤْمِنِينَ

ये लोग ईमान वालों के साथ होंगे. और अनकरीब अल्लाह ईमान वालों को

أَجْرًا عَظِيمًا ۗ مَا يَفْعَلُ اللَّهُ بِعَذَابِكُمْ

भारी सवाब देगा. अल्लाह तुम्हें अज़ाब दे कर क्या करेगा

إِنْ شَكَرْتُمْ وَأَمْنْتُمْ ۗ وَكَانَ اللَّهُ شَاكِرًا عَلِيمًا ۗ

अगर तुम शुक्र अदा करो और ईमान लाओ. और अल्लाह कदरदान है, ईल्म वाला है.